

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 05 मई, 2016

विषय- पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत वर्ष 2016-17 में वर्ष के प्रथम 04 माहों हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-61/आदर्श म०ता०नि०यो०/2016-17, दिनांक 16 अप्रैल, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजना (राज्य सैक्टर) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 में वर्ष के प्रथम 04 माहों हेतु लेखानुदान से प्राविधानित कुल **रु० 10.00 लाख** की धनराशि के सापेक्ष **रु० 9.00 लाख (रु० नौ लाख मात्र)** की वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार प्रदान करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31.03.2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी०एम०-०८ प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश दिनांक 04 जून, 2015 के अनुसार अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
 7. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेगा।
 8. धनराशि का उपयोग उपरान्त कराये गये कार्यों की योजनावार/ लाभार्थीवार/ग्रामवार सूची एवं व्यय का विवरण शासन/नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
 9. उक्त योजनान्तर्गत पूर्व में अवमुक्त की गयी धनराशि के भौतिक/वित्तीय उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने उपरान्त ही अवमुक्त की जा रही धनराशि व्यय की जायेगी।
 10. योजना के सम्बन्ध में उपयोगिता प्रमाण पत्र फोटोग्राफ सहित शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-15 में अनुदान संख्या-28 में लेखाशीर्षक-2405-मछलीपालन-00-आयोजनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-02-पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजना-20-सहायक अनुदान /अंशदान/राज सहायता मद के नामें डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश के संख्या-490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक:यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० रणबीर सिंह)

अपर मुख्य सचिव

संख्या-178 (1)/XV-3/2016-08(06)/2014(बजट),तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी/देहरादून/पिथौरागढ़/पौड़ी/बागेश्वर/नैनीताल।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, जनपद उत्तरकाशी/देहरादून/पिथौरागढ़/पौड़ी/बागेश्वर/नैनीताल।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

उप सचिव

शासनादेश सं०-178/XV-3/2016-08(06)/2014, दिनांक ०5 मई, 2016 का संलग्नक

वित्तीय वर्ष 2016-17 के प्रथम 04 माहों हेतु पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत धनराशि रु० 9.00 लाख के सापेक्ष जनपदवार धनराशि का वितरण तथा भौतिक लक्ष्यों का निर्धारण:-

(धनराशि रु० लाख में)			
क्र० सं०	जनपद	वित्तीय लक्ष्य (धनराशि रु० लाख में)	भौतिक लक्ष्य (तालाब निर्माण, प्रति यूनिट 0.02 है०)
1.	उत्तरकाशी	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
2.	देहरादून	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
3.	पौड़ी	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
4.	पिथौरागढ़	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
5.	बागेश्वर	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
6.	नैनीताल	1.50	01 यूनिट (0.02 हैक्टे०)
योग :-		9.00	06 यूनिट (0.12 हैक्टे०)

5/5/2016
(डॉ० रणबीर सिंह)
अपर मुख्य सचिव

